

पाठसूच सं०-(3)

नाम - दालाध्यापक

दिनांक -

वर्ग - 8 (अ)

कालांश - 40 मिनट

विषय - हिन्दी व्याकरण

प्रकरण - इ-उ, कर्मधारय, द्विगु समास

उद्देश्य -

- 1) दालों को व्याकरण की सहायता से शुद्ध एवं परिभाषित भाषा को व्यवहार में लाने के लिए समर्थ बनाना।
- 2) दालों में नवीन शब्द-निर्माण की क्षमता उत्पन्न करना।
- 3) दालों में भाषा तथा उसके अंगों - उपांगों की रचना समझने की योग्यता उत्पन्न करना।
- 4) उनमें किसी प्रयोग की शुद्ध अथवा अशुद्ध को युक्त सही विवेचन करने की क्षमता उत्पन्न करना।
- 5) दालों को इ-उ, कर्मधारय तथा द्विगु समास का ज्ञान कराना।

पूर्व ज्ञान -

दाल समास की परिभाषा से सामान्य रूप से पूर्व परिचित हैं।

प्राचार्य

मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

उन्हीं उल्लेख तीन श्रेणियों को भी एक किया है।

सहायक सामग्री - लैपट रयामपट्ट, कक्षा के सामान्य उपकरण ।

प्रस्तावना -

द्वारा अध्यापक निम्न वाक्यों को लैपट रयामपट्ट पर लिखकर ले जायेगा । इन्हीं वाक्यों को सहायता से प्रस्तावना सम्बन्धी प्रश्न पूछे जायेंगे ।

- 1- ऊँच-नीच का विचार ही पतन का प्रमुख कारण होता है ।
- 2- मालती खीर-पूड़ी खाती है ।
- 3- रमेश प्रतिदिन टहलने जाता है ।
- 4- राजा दशरथ ने अपने बचन का पालन करने के लिए अपने प्रिय-पुत्र राम को वन भेज दिया था ।
- 5- दशानन लंका का राजा था ।
- 6- राजपुत्र को नीति की शिक्षा अवश्य दी जाती थी ।
- 7- विश्व में सप्त-सिन्धु प्रसिद्ध है ।

प्रश्न - ① उपर्युक्त वाक्यों में कौन-कौन से सामासिक पद हैं ?

② 'प्रतिदिन', 'दशानन', और 'राजपुत्र' सामासिक पदों में कौन-कौन से समास हैं ?

प्राचार्य
मैट्रोपोलिटन महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

3 अन्य सामासिक पदों में कौन से समास हैं ?

उद्देश्य-कथन -

आज हम समास के अन्य तीन भेदों का ज्ञान प्राप्त करेंगे और यह देखेंगे कि 'ऊँच-नीचा', 'खीर-पूड़ी', 'प्रिय-पुत्र', 'सत्य-विचार', 'चौराहा', 'सप्तसिन्धु' जैसे सामासिक पदों में कौन से समास हैं ?

प्रथम अन्विति -

दालाध्यापक श्यामपट्ट पर निम्न वाक्य लिखकर सामासिक पद देखाएगा।

प्रस्तुतीकरण एवं तुलना -

वाक्य - 'भारि बहन को प्रेम से रटना चाहिए।'

प्रश्न - इस वाक्य में सामासिक पद कौन सा है ?

उत्तर - 'भारि-बहन'।

प्रश्न - 'भारि-बहन' का विग्रह किस प्रकार करोगे ?

उत्तर - 'भारि-बहन'।

वाक्य - 'माता-पिता' की आज्ञा का सदैव पालन करो।

प्रश्न - इस प्रश्न में कौन सा सामासिक पद है ?

उत्तर - माता - पिता

प्रश्न - 'माता-पिता' इस सामासिक पद में कौन सा शब्द द्विपा हुआ है ?

उत्तर - और

वाक्य - गंगा - यमुना भारत की प्रसिद्ध नदियाँ हैं ।

प्रश्न - इस वाक्य में कौन सा सामासिक पद है ?

उत्तर - गंगा - यमुना

प्रश्न - गंगा-यमुना शब्द में सम्बन्ध बताने वाले किस शब्द का लोप हो गया है ?

उत्तर - और ।

सिद्धान्त-निरूपण -

① जिस सामासिक पद के बीच में 'और' शब्द का लोप होता है, उसे द्वन्द्व समास कहते हैं। इसमें दोनों पद प्रधान होते हैं, जैसे - सुख-दुःख = सुख और दुःख आदि।

② द्वन्द्व समास वह है जिसमें समस्त शब्द के दोनों पद प्रधान होते हैं, जैसे - दुःख-सुख = दुःख और सुख आदि। लेकिन इसके साथ-साथ विग्रह काल पर बीच में 'और' शब्दों को लगाया जाता है। जैसे रात-दिन = रात और दिन, दौड़ा-बड़ा = दौड़ा या बड़ा आदि।

प्राच्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

प्राच्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

प्रयोग - द्वालाध्यापक नीचे लिखे वाक्यों को श्यामपट्ट पर लिखकर दलों से विषय कहवाकर ऊन्हु समास देंवायेगा।

- वाक्य -
- ① सीता जाचती - गाती है।
 - ② यश - अपयश की चिन्ता मत करो।
 - ③ उषा दाल-रोटी खा रही है।
 - ④ गुरु-शिष्य में प्रेम होना आवश्यक है।

द्वितीय अन्विति

द्वालाध्यापक आगे लिखे वाक्यों को श्यामपट्ट पर लिखकर दलों से सामासिक पद देंवायेगा।

प्रस्तुतीकरण एवं तुलना

वाक्य - 'गुरु-वचन' बोलना सदैव अच्छा होता है।

प्रश्न - इस वाक्य में कौन सा सामासिक पद है ?

उत्तर - 'गुरु-वचन'।

प्रश्न - 'गुरु' शब्द व्याकरण की दृष्टि से क्या है ?

उत्तर - विशेषण।

प्रश्न - 'गुरु' शब्द किसकी विशेषता बताता है ?

उत्तर - 'वचन' शब्द की विशेषता बताता है।

सिद्धान्त निरूपण -

जब कोई सामासिक पद 'विशेषण' और 'विशेष्य' से बनता है तो उसे कर्मधारय समास कहते हैं। जैसे - मृदुवचन, पीत पत्र ।

प्रयोग - दालाध्यापक नीचे लिखे वाक्यों में से दालों द्वारा कर्मधारय समास देखायेगा ।

वाक्य - ① श्री लुब्धा पीताम्बर पहने हुए थे ।
② नील-गगन में चन्द्रमा निकल रहा है ।

तृतीय अन्विति - दालाध्यापक श्यामपत्र पर निम्नलिखित वाक्य लिखकर दालों से सामासिक पद देखायेगा -

प्रस्तुतीकरण एवं तुलना -

वाक्य - कबीर रुक्मेश्वरदासी थे ।

प्रश्न - इस प्रश्न में कौन सा सामासिक पद है ?

उत्तर - रुक्मेश्वर ।

प्रश्न - रुक्मेश्वर किन शब्दों के मिलते बना है ?

उत्तर - रुक्म + ईश्वर ।

प्रश्न - इसमें प्रथम पद व्याकरण के अनुसार क्या है ?

उत्तर - संख्यावाचक विशेषण ।

लिङ्गान्त निरूपण - जिस सामासिक पद में प्रथम पद संख्यावाचक

विशेषण होता है, उसे द्विगु समास कहते हैं इसमें उत्तर पद प्रधान होता है जैसे -
- द्यौराष्ट, त्रिलोक्य आदि ।

प्रयोग -

दालाध्यापक निम्न वाक्यों को समासपद्धति पर लिखकर दालों से विशद - साहित्य द्विगु समास देखायेंगा -

- ① आकाश में नवग्रह होते हैं ।
- ② ईश्वर को त्रिलोकेश्वर भी कहते हैं ।
- ③ भारत का राष्ट्रध्वज तिरंगा है ।

मुख्यांकन

① जब दो शब्दों के बीच 'और' शब्द का लोप हो तो वहाँ कोन सा समास होता है ?

② द्विगु समास का एक उदाहरण बताओ ।

③ 'नीलाम्बर' शब्द का विशद करो और यह बताओ कि यह कोन

सा समाप्त है
गृहकार्य

आपनी पाठ्य-पुस्तक के प्रथम दो अध्यायों में आये हुए सामासिक पदों को ढाँचे और उनका विश्लेषण करे।

५५
शा. ०९/२०२०

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया